एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन की सचित्र कथा

लेखनः डेविड ए. एडलर, चित्रः मैट कॉलिन्स

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन आज भी अपने उस द्वन्द्व युद्ध के लिए ही सबसे ज़्यादा मशहूर हैं जो उन्होंने एरन बर्र के साथ लड़ा और जिसमें उनकी मौत हुई। हैमिलटन, संयुक्त राज्य अमरीका के सबसे महत्वपूर्ण संस्थापकों में एक थे। उनका जन्म कैरिबियन के एक द्वीप में हुआ था। वे जब तक बारह वर्ष के हुए वे अनाथ हो चुके थे। कुशाग्र, साहसी और ऊर्जावान हैमिलटन आगे चल कर अमरीकी क्रांतियुद्ध के सेनापति और जॉर्ज वॉशिगटन के सहायक बने। उन्होंने यह समझ लिया था कि नवगठित संयुक्त राज्य अमरीका को एक सशक्त केन्द्रीय सरकार की ज़रूरत है। उन्होंने संविधान का बचाव किया और उस बैंकिंग व्यवस्था की स्थापना की जिसका आज तक अमरीका में इस्तेमाल किया जाता है।

एलैक्ज़ैण्डर **हैमिलटन** की सचित्र कथा

लेखनः डेविड ए. एडलर

चित्रः मैट कॉलिन्स

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा
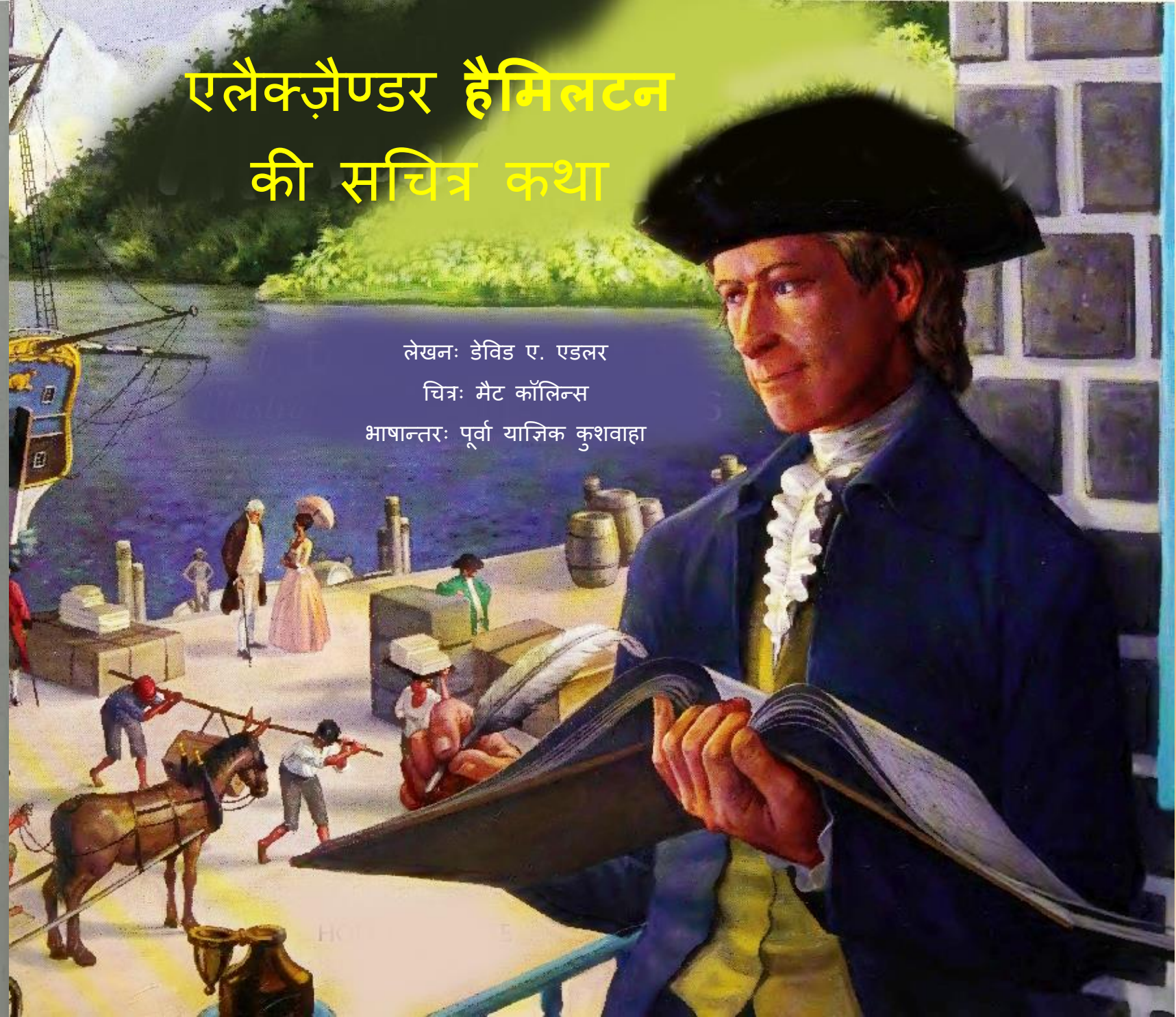
11 जुलाई 1804 की सुबह एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन व एरन बर्र एक खुले मैदान में, एक-दूसरे से बीस फीट की दूरी पर खड़े थे। दोनों के हाथों में भरी बन्दूकें थीं, जिन्हें वे ताने हुए थे।

वे दोनों ही नवगठित संयुक्त राज्य अमरीका के अग्रणी नेता थे। हैमिलटन देश के पहले वित्त सचिव थे, और बर्र उपराष्ट्रपति। हैमिलटन अक्सर बर्र के विरुद्ध बोलते थे। उन्होंने कहा था कि बर्र "ख़तरनाक इन्सान हैं ... ऐसे इन्सान जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।" बर्र ने यह कथन सुना और भड़क कर हैमिलटन को द्वन्द्व युद्ध की चुनौती दी।

इस खुल मैदान में चुनौती स्वीकार पहुँचने के पहले एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन ने एक लम्बा सफ़र तय किया था। उनका जन्म इस घटना के तकरीबन पचास वर्ष पूर्व, 11 जनवरी 1755 में, कैरिबियन के एक छोटे, सफेद तटों वाले द्वीप में हुआ था। वहाँ पहाड़ों पर आम, संतरों और नीम्बू के पेड़ थे और गन्ने के खेत, जिनमें अफ्रीका से अगुवा कर लाए गए गुलाम खटते थे। हैमिलटन ने ज़रूर बचपन में गुलामों की नीलामी और उनकी नृशंस पिटाई देखी होगी। बाद में उन्होंने कोशिश की कि संयुक्त राज्य अमरीका में गुलामी गैर-कानूनी घोषित कर दी जाए।

हैमिलटन की माँ, खूबसूरत और प्रतिभाशाली रेचल फाउसैट थीं।
उनके पिता जेम्स हैमिलटन एक असफल व्यापारी थे।
''मैं जब बहुत छोटा था मेरे पिता का कारोबार चौपट हो गया था।''
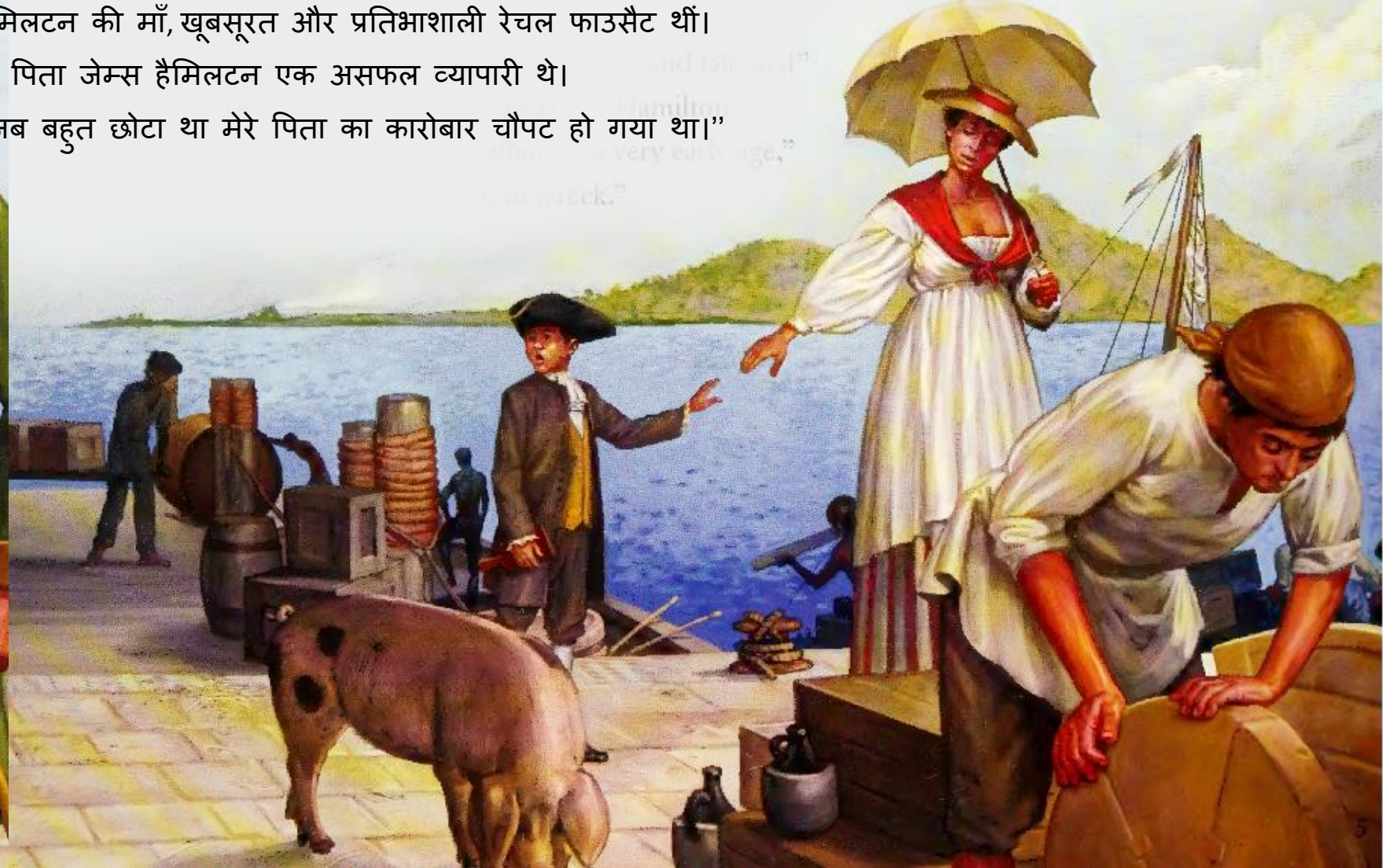
1750 के शुरुआती सालों में रेचल और जेम्स की मुलाकात हुई, रेचल ने अपने पति और बेटे को छोड़ दिया और जेम्स के साथ रहने लगीं। जेम्स हैमिलटन के साथ उनके कई बच्चे हुए, पर केवल दो ही जीवित रहे - जेम्स जूनियर और एलैक्ज़ैण्डर। बचपन में एलैक्ज़ेण्डर का कद छोटा, बाल ललाई लिए भूरे, नीली आँखें और गुलाबी गाल थे। हैमिलटन के माता-पिता का विवाह नहीं हुआ था और परिवार ग़रीब था।

सो दम्पति के बच्चों को अधिकतर स्कूलों में दाखिला नहीं मिल सका। पर एक यहूदी स्कूल ने एलैक्ज़ैण्डर का स्वागत किया। वहाँ बालक एलैक्ज़ेण्डर ने हिब्रू में दस धर्मादेशों का पाठ करना सीखा।

अप्रेल 1765 में एलैक्ज़ैण्डर के पिता, पास के द्वीप सेंट क्राए में अपनी लेनदारी का भुगतान लेने गए। वे अपने साथ रेचल और अपने दोनों बेटों को भी ले गए। इसके कुछ ही समय बाद जेम्स ने अपने परिवार को त्याग दिया और एलैक्जैण्डर ने अपने पिता को फिर कभी नहीं देखा।

रेचल अपने बच्चों को अकेले पालने पर मजबूर हुईं। उन्होंने एक छोटी-सी दुकान खोली जिसमें वे पास के गन्ने के खेतों के बाशिन्दों को कपड़ा, माँस, सूखी मछली और चावल बेचा करती थीं। पर यह दुकान बहुत दिन नहीं चली।

1768 में रेचल गंभीर रूप से बीमार पड़ीं, उन्हें पीला बुख़ार हुआ। जल्द ही एलैक्ज़ैण्डर भी बीमार पड़ा। 19 फरवरी 1768 को रेचल फाउसेट लेविएन की मृत्यु हो गई। पर एलैक्ज़ैण्डर ठीक हो गया।

उस समय एलैक्ज़ैण्डर का बड़ा भाई जेम्स एक बढ़ई के लिए काम करता था। सो वह बढ़ई के परिवार के साथ रहने लगा। एलैक्ज़ैण्डर, एन व थॉमस स्टीवन्स और उनके पाँच बच्चों के साथ रहने लगा। उनका बड़ा बेटा एडवर्ड, एलैक्ज़ैण्डर से साल भर बड़ा था। दोनों लड़कों में जो दोस्ती पनपी वह आजीवन रही।
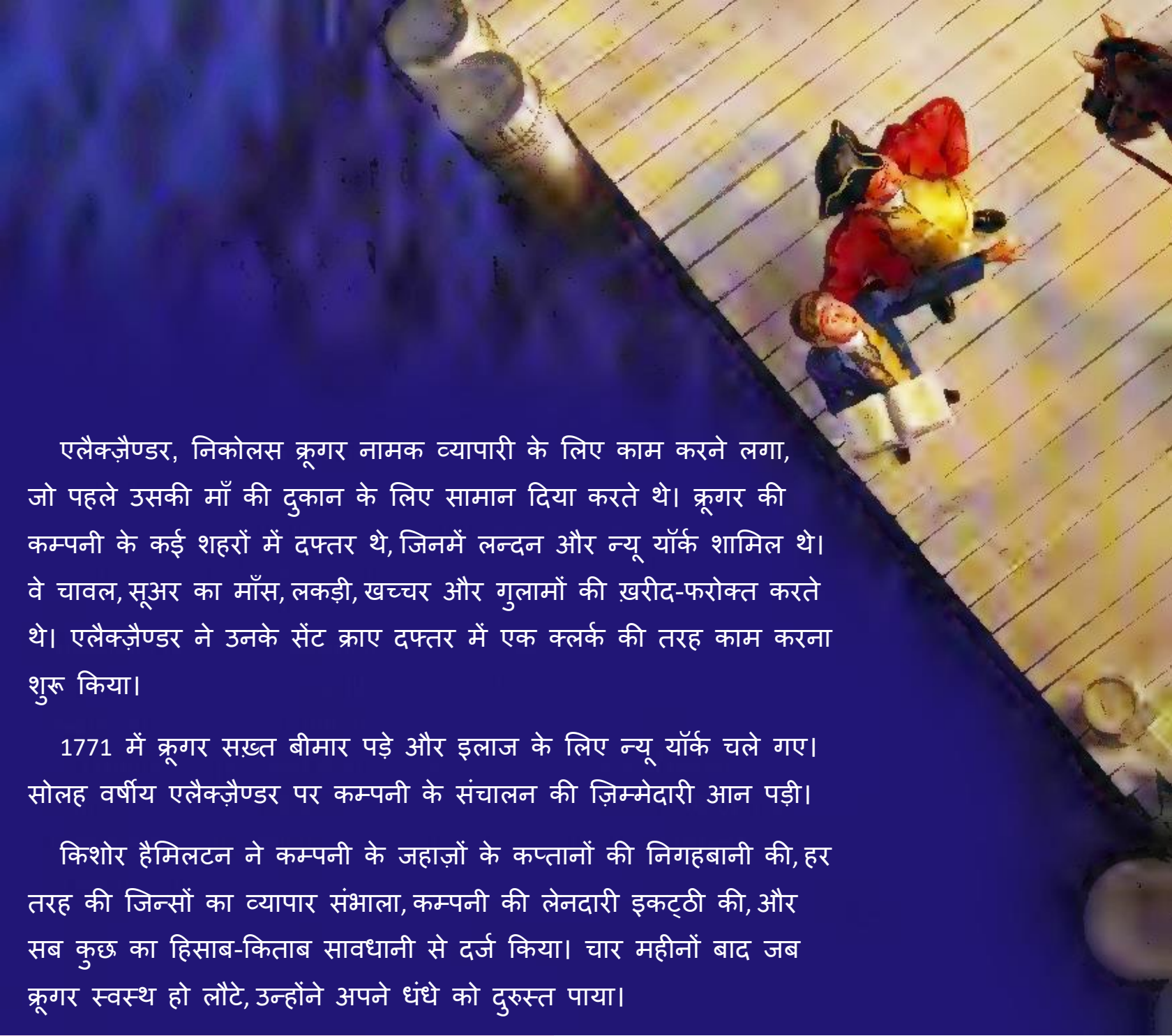
एलैक्ज़ैण्डर, निकोलस क्रूगर नामक व्यापारी के लिए काम करने लगा, जो पहले उसकी माँ की दुकान के लिए सामान दिया करते थे। क्रूगर की कम्पनी के कई शहरों में दफ्तर थे, जिनमें लन्दन और न्यू यॉर्क शामिल थे। वे चावल, सूअर का माँस, लकड़ी, खच्चर और गुलामों की ख़रीद-फरोक्त करते थे। एलैक्ज़ैण्डर ने उनके सेंट क्राए दफ्तर में एक क्लर्क की तरह काम करना शुरू किया।

1771 में क्रूगर सख़्त बीमार पड़े और इलाज के लिए न्यू यॉर्क चले गए। सोलह वर्षीय एलैक्ज़ैण्डर पर कम्पनी के संचालन की ज़िम्मेदारी आन पड़ी।

किशोर हैमिलटन ने कम्पनी के जहाज़ों के कप्तानों की निगहबानी की, हर तरह की जिन्सों का व्यापार संभाला, कम्पनी की लेनदारी इकट्ठी की, और सब कुछ का हिसाब-किताब सावधानी से दर्ज किया। चार महीनों बाद जब क्रूगर स्वस्थ हो लौटे, उन्होंने अपने धंधे को दुरुस्त पाया।

उसी वर्ष ह्यू नॉक्स सेंट क्राए आए। वे स्थानीय गिरजे के पादरी बने। उनकी योजना स्थानीय "पियक्कड़ों, जुआरियों," और "विश्राम के दिन" यानी इतवार के दिन का नियम को तोड़ने वालों को शिक्षित कर सुधारने की थी। नॉक्स सशक्त वक्ता थे। उनका हैमिलटन पर प्रभाव पड़ा। 1772 में नॉक्स ने हैमिलटन के लिखे एक लेख को पढ़ा, जिसने हैमिलटन की ज़िन्दगी ही बदल डाली।

द्वीप में एक भारी तूफ़ान आया था। हैमिलटन ने उसका वर्णन करते लिखा, "या ख़ुदा! यह कैसी दहशत, कैसा विनाश था। समन्दर और हवा की गर्जना ... कानों को बेधता त्रस्त लोगों का क्रन्दन ... बचने के लिए पूरे के पूरे परिवार सड़कों पर।"

नॉक्स ने हैमिलटन के इस वर्णनात्मक लेख को स्थानीय अख़बार में छपवाया। द्वीप के लोगों ने उसे पढ़ा, उस पर चर्चा की। नॉक्स नहीं चाहते थे कि लेख का प्रतिभाशाली लेखक सेंट क्राए में ज़ाया हो। उन्होंने चन्दा इकत्रित किया और हैमिलटन को अमरीकी उपनिवेशों में से एक में पढ़ने भेजा।
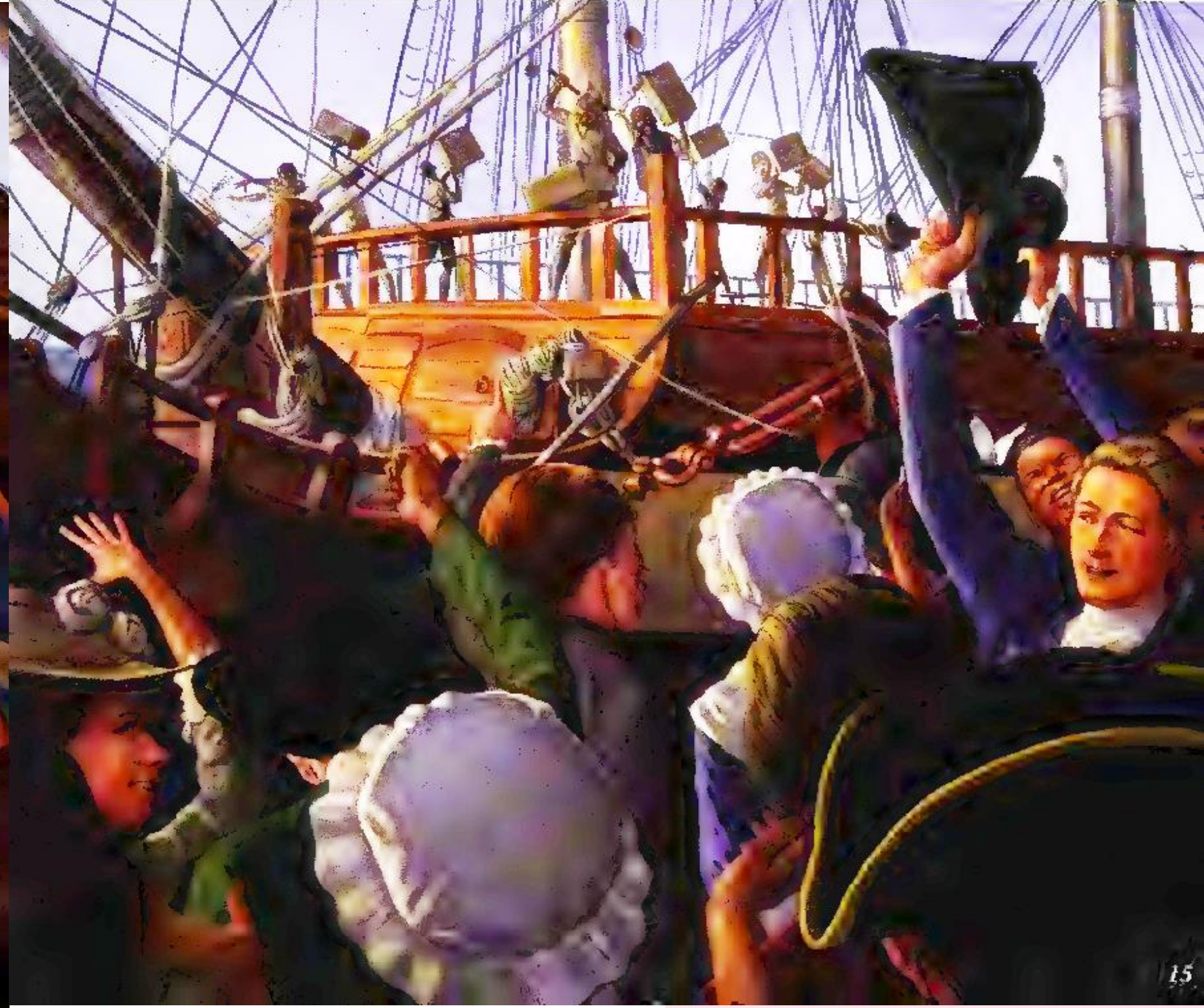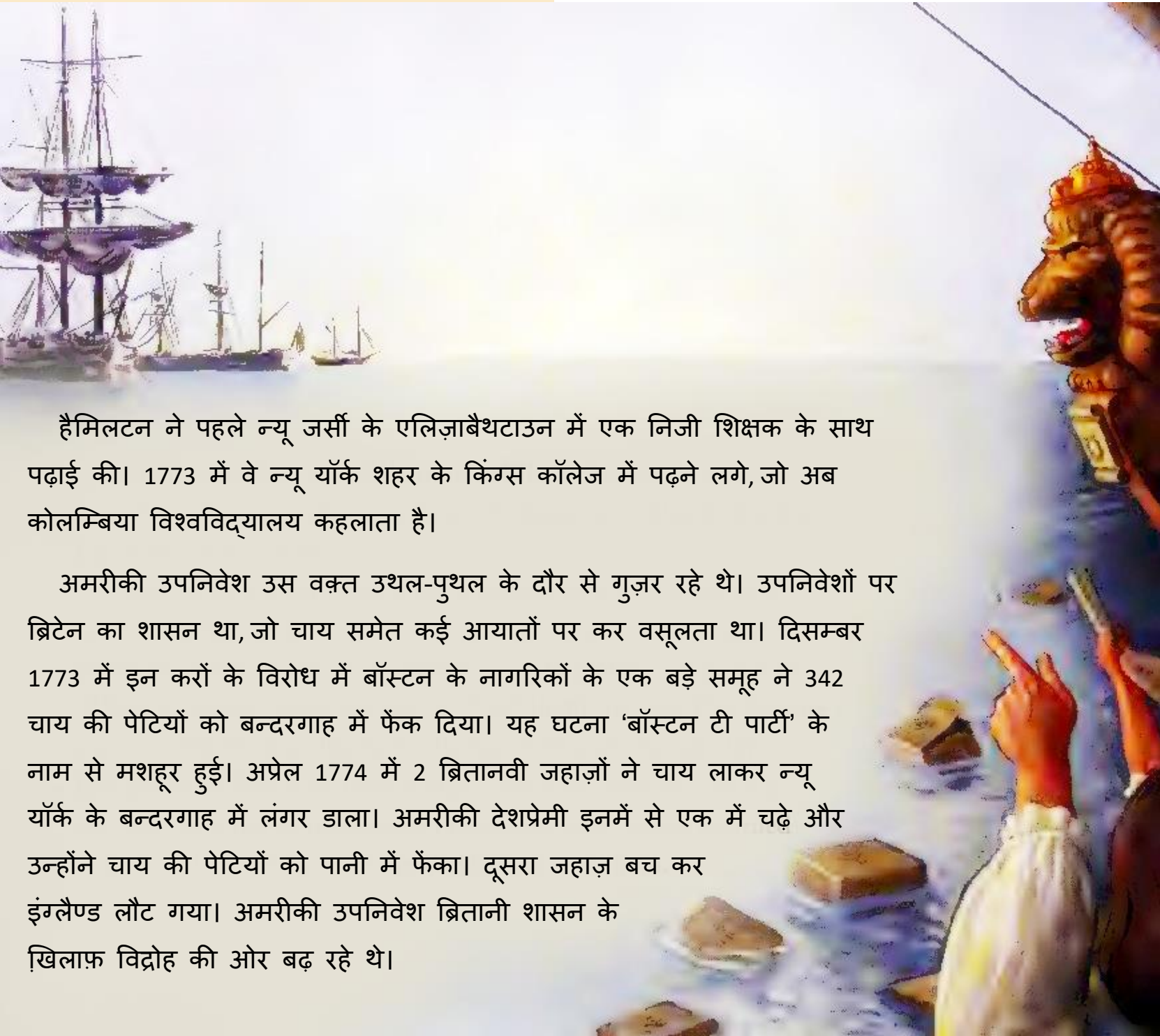
हैमिलटन ने पहले न्यू जर्सी के एलिज़ाबैथटाउन में एक निजी शिक्षक के साथ पढ़ाई की। 1773 में वे न्यू यॉर्क शहर के किंग्स कॉलेज में पढ़ने लगे, जो अब कोलम्बिया विश्वविद्यालय कहलाता है।

अमरीकी उपनिवेश उस वक़्त उथल-पुथल के दौर से गुज़र रहे थे। उपनिवेशों पर ब्रिटेन का शासन था, जो चाय समेत कई आयातों पर कर वसूलता था। दिसम्बर 1773 में इन करों के विरोध में बॉस्टन के नागरिकों के एक बड़े समूह ने 342 चाय की पेटियों को बन्दरगाह में फेंक दिया। यह घटना 'बॉस्टन टी पार्टी' के नाम से मशहूर हुई। अप्रेल 1774 में 2 ब्रितानवी जहाज़ों ने चाय लाकर न्यू यॉर्क के बन्दरगाह में लंगर डाला। अमरीकी देशप्रेमी इनमें से एक में चढ़े और उन्होंने चाय की पेटियों को पानी में फेंका। दूसरा जहाज़ बच कर इंग्लैण्ड लौट गया। अमरीकी उपनिवेश ब्रितानी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह की ओर बढ़ रहे थे।

एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन ने विद्रोहियों का पक्ष लिया। अगले दो वर्षों में उन्होंने उनके समर्थन में लम्बे लेख लिखे, पर इन लेखों में उनके हस्ताक्षर नहीं थे। किसीने किंग्स कॉलेज के अध्यक्ष माइल्स कूपर को सुझाया कि ये लेख उनके ही छात्र द्वारा लिखे गए हैं। पर कूपर को विश्वास ही नहीं हुआ कि "इतना कम उम्र" हैमिलटन, इस कदर सख़्त शब्दों को उपयोग कर सकता है।

19 अप्रेल 1775 को कॉनकॉर्ड, मैसाच्युसैटस् में अमरीकी क्रांति की पहली गोलियाँ दागी गईं। देशभक्तों ने जॉर्ज वॉशिगटन की अगुवाई में कॉन्टिनैन्टल सेना का गठन किया।

हैमिलटन भी नए राष्ट्र के लिए लड़ना चाहते थे। वे और अन्य छात्र हर सुबह पास के गिरजे के मैदान में इकट्ठा होते, कवायद करने, बन्दूकों में तेज़ी से गोलियाँ भरने और निशानेबाज़ी का अभ्यास करते। वे हरे रंग के कोट ओर चमड़े से बने टोपों की वर्दियाँ पहनते।
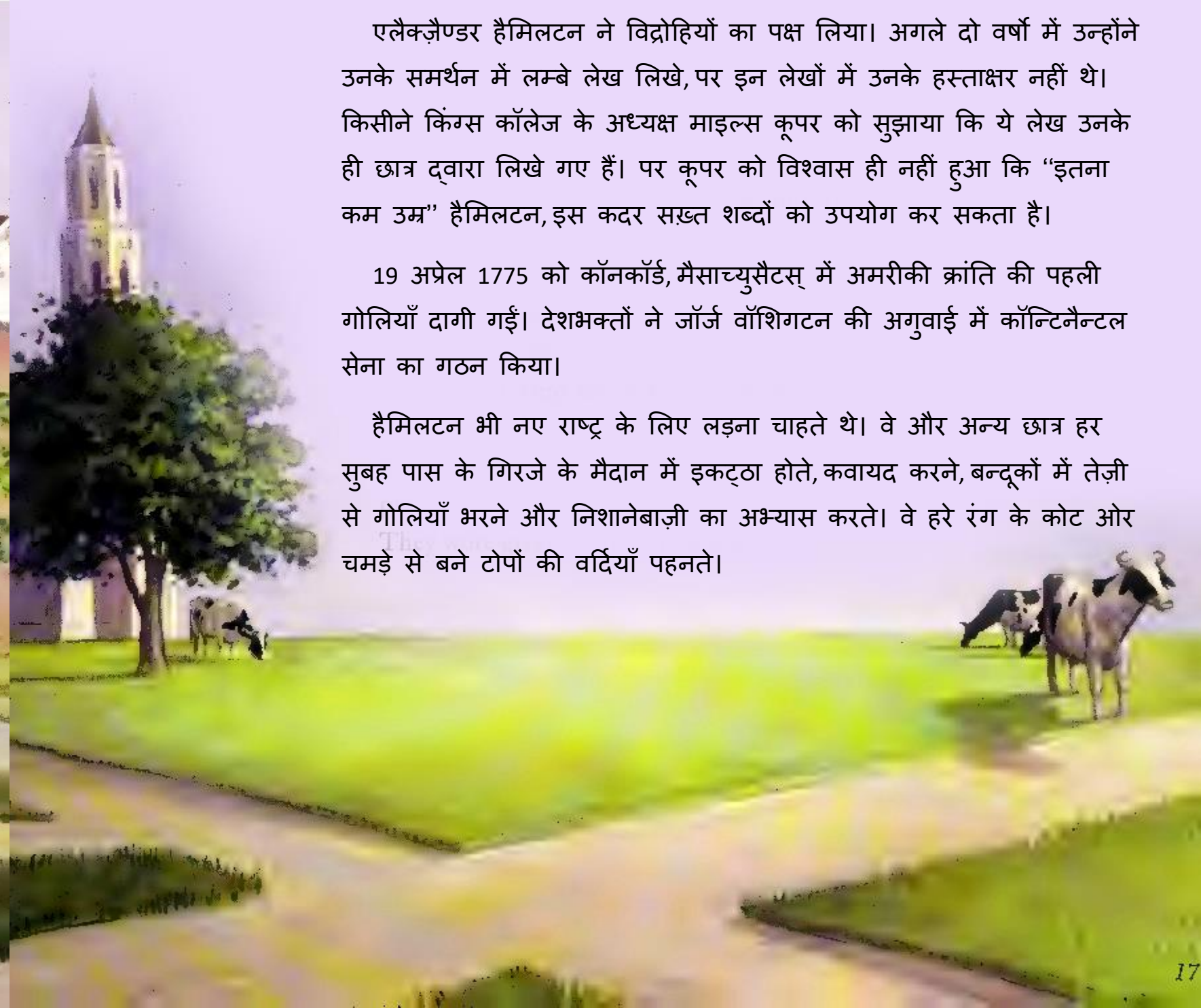
मार्च 1776 में हैमिलटन को कॉन्टिनैन्टल सेना में कप्तान के पद पर नियुक्त किया गया। पर उनसे कहा गया कि वे तीस लोगों की टुकड़ी ख़ुद तैयार करें। हैमिलटन साठ से भी अधिक सैनिक इकट्ठा कर सके। वे चाहते थे कि उनके साथी सैनिकों जैसे लगें। सो उन्होंने सबके लिए पीतल के बटन लगे नीले कोट और चमड़े की पतलूनें बनवाईं। उनके सैनिक न्यू जर्सी की दो लड़ाइयों में बहादुरी से लड़े।

अक्तूबर 1776 में हैमिलटन के सैनिक वॉशिंगटन के सैनिकों के साथ व्हाइट प्लेन्स, न्यू यॉर्क में लड़े।

जनवरी 1777 में हैमिलटन वॉशिंगटन के सहायकों में शामिल हुए। वे अब लैफ्टिनेंट कर्नल थे।

वॉशिंगटन के साथ काम करने के दौरान हैमिलटन की मुलाक़ात नए राष्ट्र के नेताओं से हुई, जो कॉन्टिनैन्टल कांग्रेस के सदस्य थे। हैमिलटन को संयुक्त राज्य के मूल तेरह राज्यों के ढीले-ढाले संघ में समस्या नज़र आई। उन्हें लगा कि केन्द्रीय सरकार इतनी कमज़ोर है कि वह बच ही नहीं सकेगी।
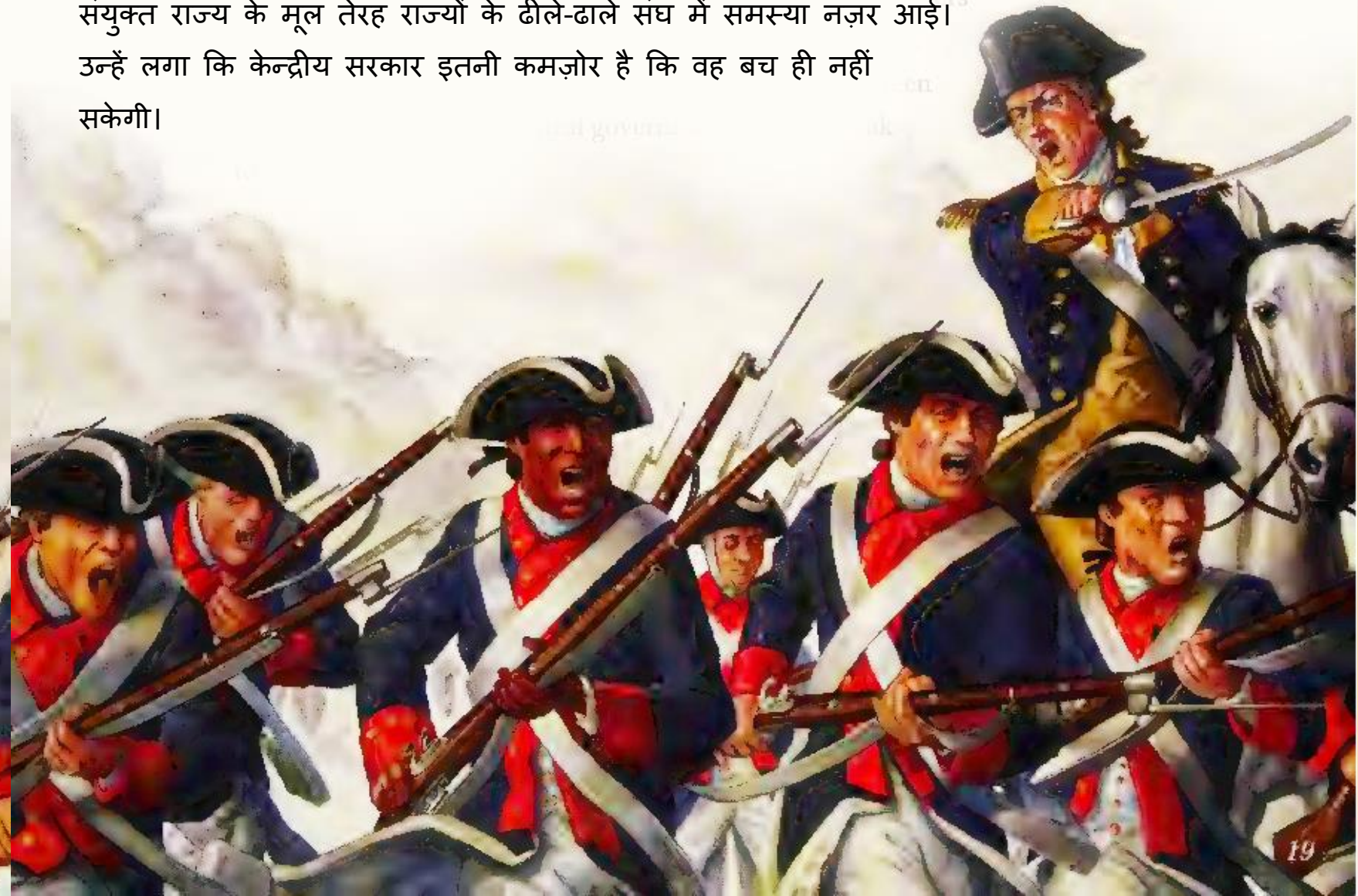
फरवरी 1780 में, जब वे वॉशिंगटन के सहायक थे, हैमिलटन की मुलाकात एलिज़ाबैथ स्कायलर से हुई। एलिज़ाबैथ धनवान जनरल फिलिप जॉन स्कायलर की बेटी थीं। हैमिलटन ने एलिज़ाबैथ को भेजे एक पत्र में लिखा, ''मैं इस कदर प्रेम में हूँ कि मैं ना तो तर्क-संगत हो सकता हूँ ना वाक्-चातुर्य दर्शा सकता हूँ।''

14 दिसम्बर 1780 में एल्बनी, न्यू यॉर्क स्थित स्कायलर जागीर में उन दोनों का विवाह हुआ। आगे चल कर दम्पति के आठ बच्चे हुए।

जुलाई 1781 में हैमिलटन ने न्यू यॉर्क के सैनिकों का नेतृत्व संभाला। अक्तूबर में वे यॉर्कटाउन, वर्जीनिया में हुए क्रांति के अंतिम युद्ध में लड़े। विद्रोहियों की जीत हुई, और हैमिलटन घर लौटे।

हैमिलटन की पहली सन्तान का जन्म 1782 में हुआ। इसके दो माह बाद हैमिलटन ने अपने एक मित्र को लिखा, ''मैं अपना समय अपनी पत्नी और शिशु के साथ बिताने के सिवा कुछ नहीं चाहता।''

पर क्योंकि हैमिलटन अब सैनिक नहीं थे उन्हें काम की ज़रूरत थी। उन्होंने कानून का अध्ययन किया और 1783 में न्यू यॉर्क में अपना दफ्तर खोला।
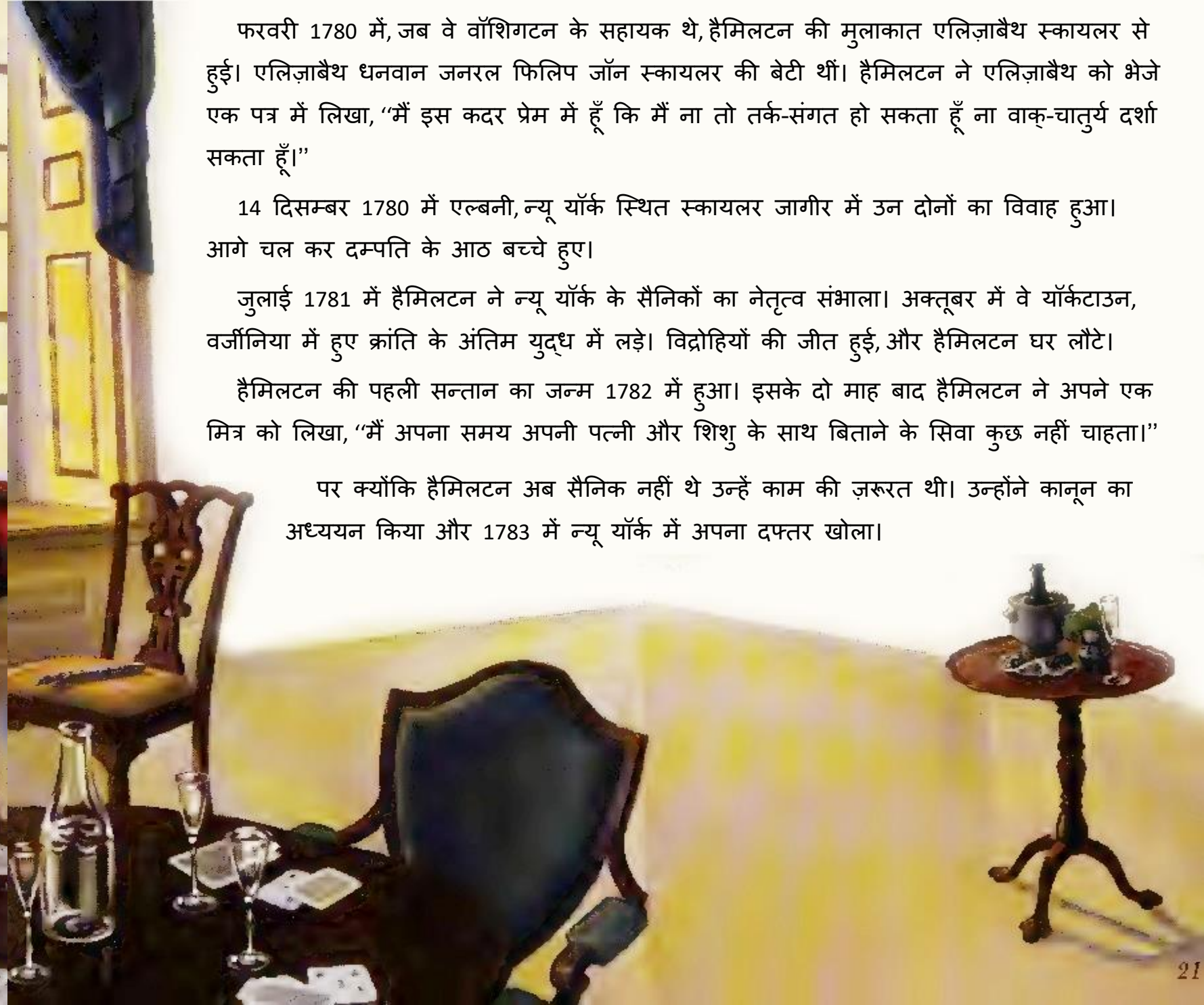
नया-नया बना राष्ट्र, तेरह राज्यों के संघ के अनुच्छेदों (जो संयुक्त राज्य अमरीका का पहला संविधान था) द्वारा शासित किया जाना था। इसके अनुसार हरेक राज्य की अपनी स्वायत्तता, स्वतंत्रता और स्वाधीनता बरकरार थी। पर संघीय सरकार को अपने नागरिकों की रक्षा करनी थी और ज़रूरत पड़ने पर युद्ध भी लड़ना था। पर उसके पास इन खर्चों के लिए नागरिकों पर कर लगाने का अधिकार नहीं था। हैमिलटन को शुरूआत से ही लगता रहा था कि ऐसी कमज़ोर केन्द्रीय सरकार कारगर नहीं हो सकती। और वे सही थे।

1787 में फिलैडैल्फिया में एक संविधान सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसका काम था सरकार का पुनर्गठन।

हैमिलटन ने सम्मेलन में न्यू यॉर्क का प्रतिनिधित्व किया। ज़ोरदार बहसें हुईं, कई मुद्दों पर समझौते हुए। अंततः नव गठित संविधान को सभी तेरह राज्यों की विधान सभाओं को भेजा गया ताकि वे या तो उसकी पुष्टि करें या उसे अस्वीकार कर दें। नई सरकार के गठन के लिए तेरह में से कम-से-कम नौ राज्यों की सहमति ज़रूरी थी।

हैमिलटन, जेम्स मैडिसन और जॉन जे ने, संविधान के समर्थन में अस्सी से भी अधिक लेख लिखे जो 'फैडरलिस्ट पेपर्स' कहलाए। अधिकतर लेख हैमिलटन द्वारा लिखे गए थे। कई इतिहासकारों का मानना है कि इन लेखों ने अमरीका के नागरिकों को संविधान को स्वीकारने के पक्ष में प्रभावित किया। मई 1790 तक सभी तेरह राज्य, संयुक्त राज्य अमरीका में शामिल हो चुके थे।
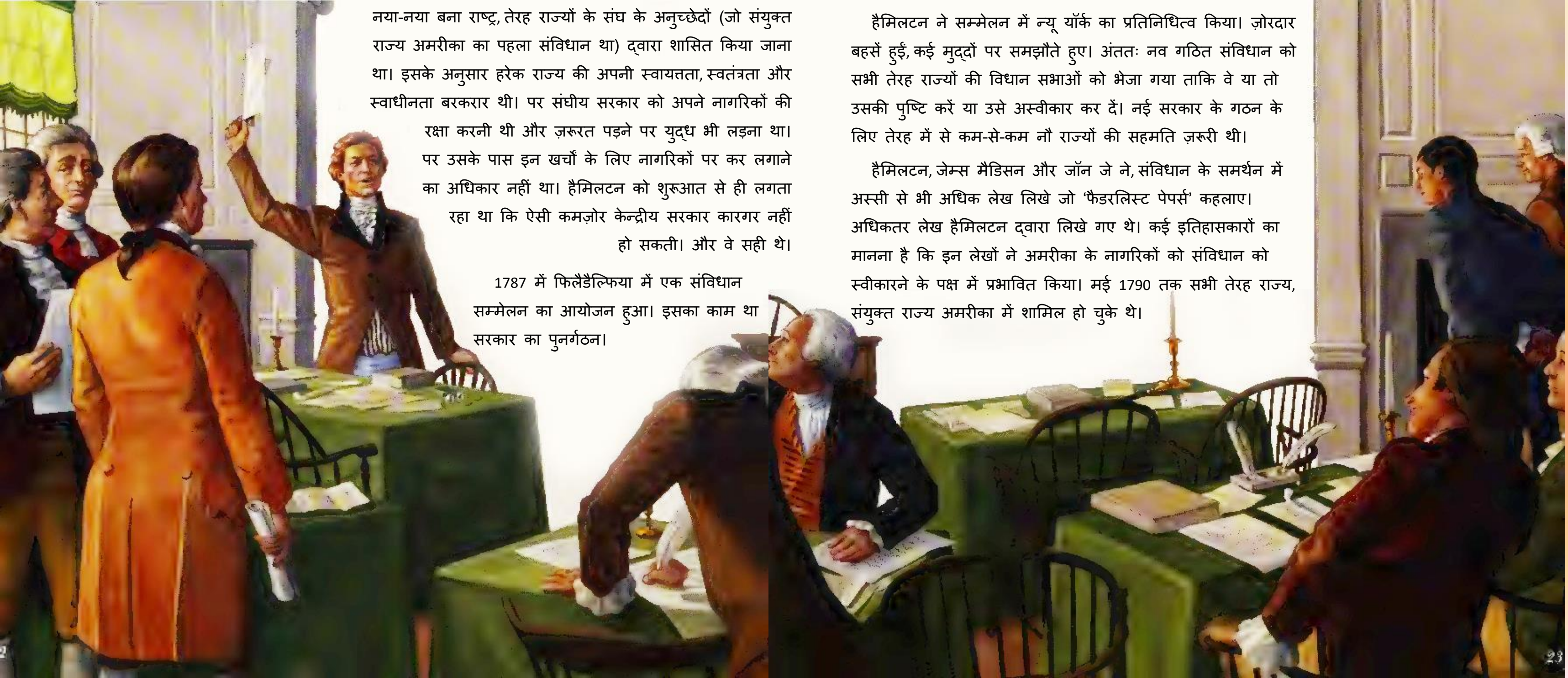
नए संविधान के अनुसार देश का नेतृत्व एक राष्ट्रपति को करना था। देश के संस्थापकों ने इस पद के लिए जॉर्ज वॉशिगटन को चुना। राष्ट्रपति को शासन चलाने के लिए एक कैबिनेट (मंत्रिमंडल) की ज़रूरत थी। इस प्रक्रिया में हैमिलटन को ट्रेज़री (वित्त) सचिव चुना गया।

हैमिलटन ने कर एकत्रित करने, उधार लेने, सेना के लिए वित्त उपलब्ध करवाने तथा विभिन्न राज्यों व देशों के साथ व्यापार को नियंत्रित करने के लिए एक राष्ट्रीय बैंक की स्थापना की। यही बैंक बाद में अमरीका का आज का फैडरल रिर्ज़व सिस्टम बना, जो अमरीका की वित्त व्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जब हैमिलटन ने अपना पद संभाला अमरीकी में ब्रितानवी मुद्रा का प्रचलन था। हैमिलटन ने नई मुद्रा का प्रस्ताव रखा। नई मुद्रा में पैनी व आधा पैनी जैसे छोटे सिक्कों को भी शामिल किया गया ताकि ग़रीबों के पास भी पैसे हों और वे उन्हे खर्च कर सकें।
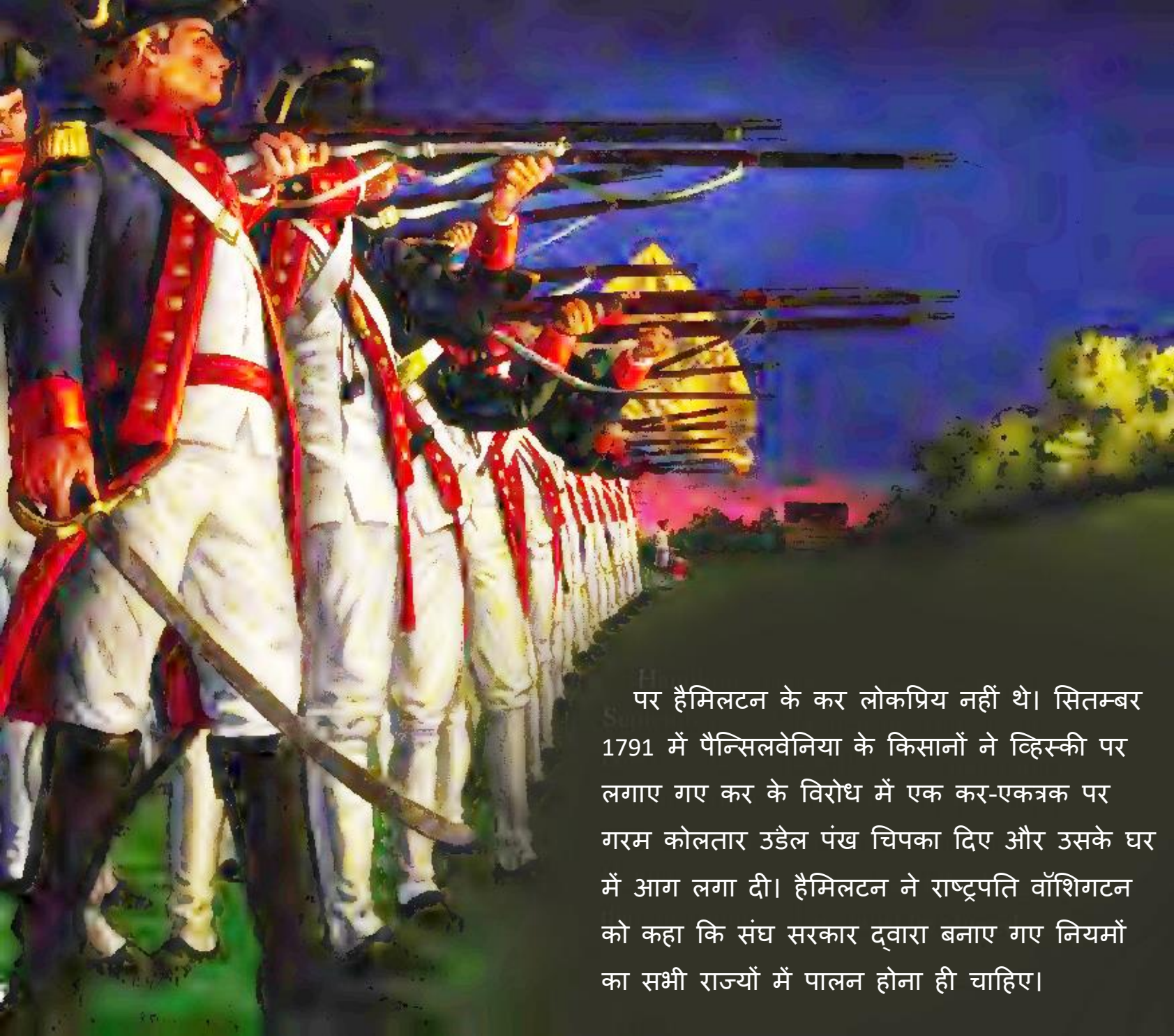
पर हैमिलटन के कर लोकप्रिय नहीं थे। सितम्बर 1791 में पैन्सिलवेनिया के किसानों ने व्हिस्की पर लगाए गए कर के विरोध में एक कर-एकत्रक पर गरम कोलतार उडेल पंख चिपका दिए और उसके घर में आग लगा दी। हैमिलटन ने राष्ट्रपति वॉशिंगटन को कहा कि संघ सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का सभी राज्यों में पालन होना ही चाहिए।

इस विद्रोह को 'व्हिस्की विद्रोह' कहा गया। इसे समाप्त करने के लिए संघीय सेना भेजी गई।

कुछ लोगों ने राष्ट्रीय कानून लागू करवाने के हैमिलटन के कदम का समर्थन किया। दूसरों को लगा कि हैमिलटन एक बेहद ताकतवर संघ सरकार बना रहे हैं। इस मतभेद से दो राजनीतिक दलों का गठन हुआ। हैमिलटन का फैडरलिस्ट दल सशक्त केन्द्रीय सरकार के पक्ष में था जबकि थॉमस जैफरसन का डैमोक्रैटिक-रिपब्लिकन दल राज्यों के पास अधिक शक्तियाँ छोड़ना चाहता था। 1796 के राष्ट्रपति चुनाव वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी को चुनने वाला पहला चुनाव था। इसमें दो उम्मीदवार, दो राजनैतिक दलों के समर्थन के साथ खड़े हुए।

हैमिलटन और बर्र राजनैतिक विरोधी थे। हैमिलटन फैडरलिस्ट थे, जबकि बर्र डैमोक्रैटिक-रिपब्लिकन। हैमिलटन ने बर्र के बारे में कहा था कि "उन्हें केवल अपनी परवाह है, अपने देश या उसकी महिमा की कतई नहीं ... उनका एक ही सिद्धान्त है - किसी भी ज़रिए से सत्ता पाना और किसी भी सूरत से उस पर काबिज रहना।"

11 जुलाई 1804 के दिन इन दोनों विरोधियों के बीच द्वन्द्व लड़ा गया। हैमिलटन को गोली लगी और अगले दिन उनकी मौत हो गई। दो दिन बाद उन्हें दफ़नाया गया। उनके सम्मान और स्मृति में गिरजे के घंटे टनटनाए, तोपें दाग़ सलामी दी गई। उनकी शवयात्रा को देखने सड़कों पर भीड़ जमा हुई। लोग अपने घरों की खिड़कियों से झांक रहे थे, छतों पर खड़े थे। देश ने अपने सबसे महत्वपूर्ण संस्थापकों में से एक को खो दिया था।

एलैक्ज़ण्डर हैमिलटन के जीवन की महत्वपूर्ण तिथियाँ

1755: उस समय के दस्तावेज हैमिलटन की जन्म तिथि 1755 बताते हैं। पर हैमिलटन का दावा था कि उनका जन्म 11 जनवरी 1757 में हुआ था।

1765: उनके पिता जेम्स हैमिलटन ने अपनी पत्नी और दो बेटों को त्याग दिया।

1768: हैमिलटन की माँ को तेज़ बुख़ार हुआ। 19 फरवरी को उनकी मृत्यु हो गई।

1771: चार महीनों तक अपने मालिक की बीमारी के दौरान उनके जटिल व्यापार को संभाला।

1772: पढ़ने के लिए अमरीकी उपनिवेश में गए।

1773: न्यू यॉर्क शहर के किंग्स कॉलेज में अध्ययन शुरू किया।

1776: कॉन्टिनैन्टल सेना की न्यू यॉर्क इकाई में कप्तान नियुक्त हुए।

1777: जनरल वॉशिंगटन के सहायक बने।

1780: 14 दिसम्बर को एलिज़ाबैथ स्कायलर से विवाह किया।

1782: कानून का अध्ययन किया और न्यू यॉर्क राज्य के सर्वोच्च न्यायालय में वकालत करने की अनमति पाई।

1786: न्यू यॉर्क राज्य की विधान सभा के सदस्य चुने गए।

1801: उनके सबसे बड़े बेटे फिलिप को 23 नवम्बर को एक द्वन्द्व युद्ध में गोली लगी। अगले दिन उसकी मौत हो गई।

1804: हैमिलटन ने लिखा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे एरन बर्र "ख़तरनाक इन्सान हैं।" बर्र ने नाराज़ हो उन्हें द्वन्द्व के लिए ललकारा। 11 जुलाई को हैमिलटन को द्वन्द्व में गोली लगी और अगले दिन उनकी मृत्यु हो गई।
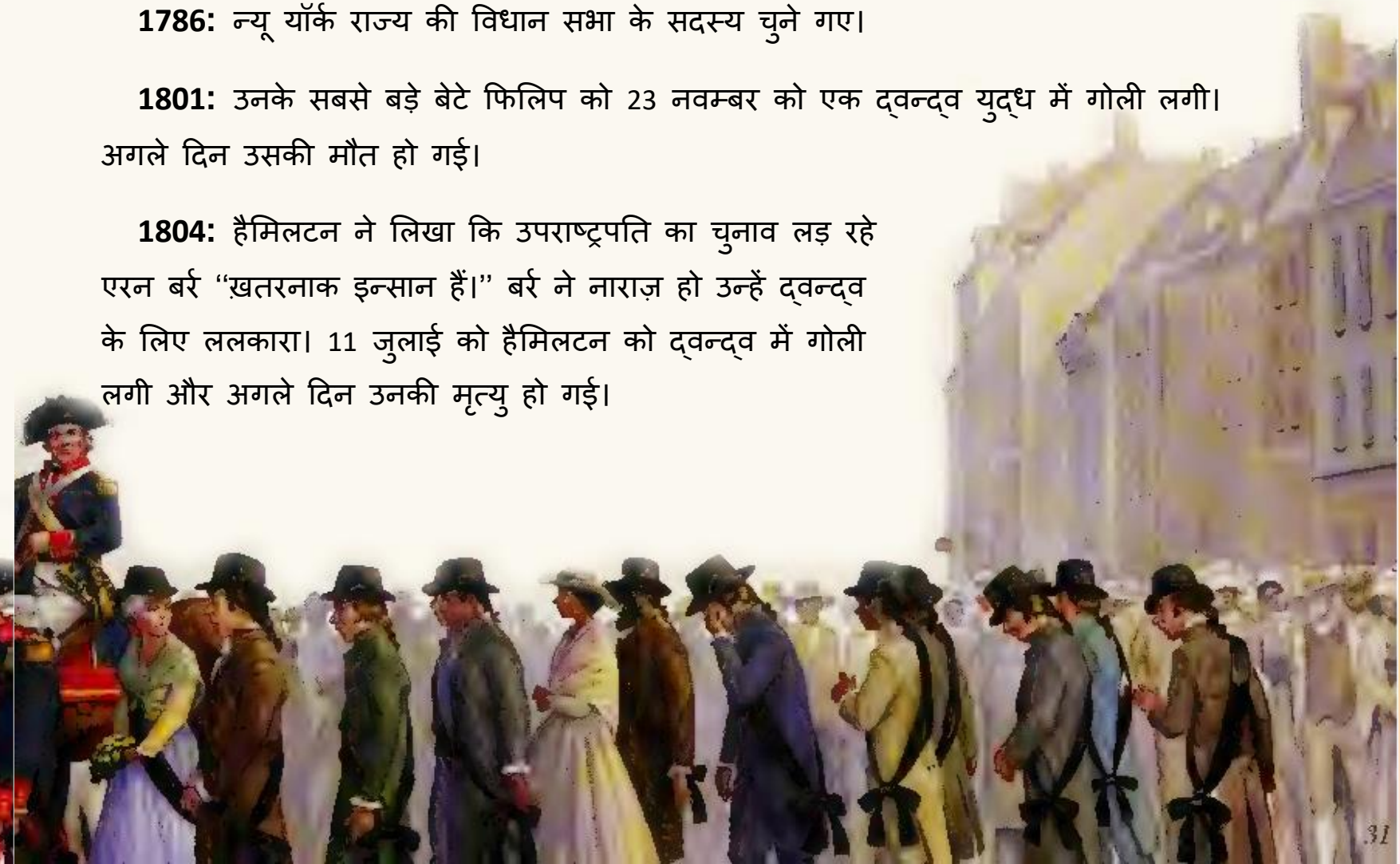
कहते हैं कि एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन की शक्ल-सूरत उनके दोस्त एडवर्ड स्टीवन से मिलती थी। इस कारण कई लोग यह कयास भी लगाते हैं कि वे दोनों सौतेले भाई थे। शायद यह कारण रहा हो कि थॉमस स्टीवन, एलैक्ज़ैण्डर को अपने तो साथ रखने को तैयार हो गए, पर उनके बड़े भाई जेम्स को नहीं।

ह्यू नॉक्स न्यू जर्सी के उस कॉलेज में पढ़े थे जो बाद में प्रिंस्टन विश्वविद्यालय कहलाया। उनके अध्ययन करने के समय कॉलेज के अध्यक्ष एरन बर्र थे, जो भावी उप-राष्ट्रपति व हैमिलटन को गोली मारने वाले व्यक्ति के पिता थे।

हैमिलटन के सबसे बड़े बेटे फिलिप की मौत भी 1801 में एक द्वन्द्व युद्ध में हुई थी। उसके अगले साल हैमिलटन की आठवीं सन्तान का जन्म हुआ और उसे भी फिलिप नाम दिया गया। इस कारण कई बार उनके बच्चों की संख्या गलत बताई जाती है, क्योंकि उनके दो बेटों का नाम फिलिप था।

आरलेन व जोसेफ के लिए - डी.ए.ए.

फॉक्स टैकानिक वॉटसन के लिए - एम.सी.

डेविड ए. एडलर ने बच्चों के लिए दो सौ से भी अधिक किताबों की रचना की जिनमें कैम जैनसन रहस्य कथाएं भी शामिल हैं। उनकी सचित्र जीवनियाँ आरंभिक शालाओं के विद्यार्थियों के लिए अपनी तरह की पहली पुस्तकें थीं। भूतपूर्व शिक्षक डेविड को सभी उम्र के बच्चों के लिए इतिहास को जीवन्त बनाने में आनन्द आता है।

मैट कॉलिन्स ने अनेक बाल पुस्तकों को चित्रों से सजाया है, जिसमें डेविड ए. एडलर तथा सू मेरी की लिखी जीवनियाँ भी शामिल हैं। उनकी कलाकृतियाँ न्यू यॉर्क टाइम्स, वॉशिंगटन पोस्ट तथा टाइम फॉर किडस् (टाइम पत्रिका का बच्चों के लिए प्रकाशित साप्ताहिक पत्रिका) में प्रकाशित हुई हैं।